M.A. - II (Pali & Prakrit) (NEP Pattern) Semester-IV

04MAPAJC1 - Major Paper-I : Pajjopatho (Therigatha)

P. Pages : 3 | **GUG/S/25/16225**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्नांची उत्तरे लिहिणे अनिवार्य आहे.
सभी सवालों के जवाब लिखना अनिवार्य है।

2. स्विकृत माध्यमातून उत्तरे लिहावीत.
स्वीकृत माध्यम में जवाब लिखिए।

1. ससंदर्भ भाषांतर करा. **16**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) अलङकता सुवसना, मालिनी चन्दनोक्खिता।
सब्बाभरणसञ्छन्ना, दासीगणपुरक्खता॥

2) अन्नं पानञ्च आदाय, खज्जं भोज्जं अनप्पकं।
गेहतो निक्खमित्वान, उय्यानमभिहारयिं॥

3) तत्थ रमित्वा कीळित्वा, आगच्छन्ति सकं घरं।
विहारं दट्ठुं पाविसिं, साकेते अञ्जनं वनं॥

4) दिस्वान लोकपज्जोतं, वन्दित्वान उपाविसिं।
सो मे धम्ममदेसेसि, अनुकम्पाय चक्खुमा॥

5) सुत्वा च खो महेसिस्स, सच्चं सम्पटिविज्झहं।
तत्थेव विरंज धम्मं, फुसयिं अमतं पदं॥

6) ततो विञ्ञातसध्दम्मा, पब्बजिं अनगारियं।
तिस्सो विज्जा अनुप्पत्ता, अमोघं बुद्धसासनं" ति॥

OR / अथवा

1) बुध्द वीर नमो त्यत्थु, सब्बसत्तानमुत्तम।
यो मं दुक्खा पमोचेसि, अञ्ञञ्च बहुकं जनं॥

2) सब्बदुक्खं परिञ्ञातं, हेतुतण्हा विसोसिता।
भावितो अट्ठङ्गिकोमग्गो, निरोधो फुसितो मया॥

3) माता पुत्तो पिता भाता, अय्यका च पुरे अहुं।
यथाभुच्चमजानन्ति, संसरिहं अनिब्बिसं॥

4) दिट्ठो हि मे सो भगवा, अन्तिमोयं समुस्सयो।
विक्खीणो जातिसंसारो, नत्थि दानि पुनब्भवो॥

5) आरध्दवीरिये पहितत्ते, निच्चं दळहपरक्कमे।
समग्गे सावके पस्से, एसा बुद्धान वन्दना॥

6) बहूनं वत अत्थाय, माया जनयि गोतमं।
ब्याधिमरणतुन्नानं, दुक्खक्खन्धं ब्यपानुदी" ति॥

2. अर्हत भिक्खुणी उत्तराथेरी यांचे जीवन प्रवासाचे सविस्तर वर्णन करा. **16**
अर्हत भिक्खुणी उत्तराथेरी के जीवन यात्रा को विस्तार से वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

चालाथेरी आणि मार यांच्यामध्ये अन्धवनात झालेल्या चर्चेचे सविस्तर वर्णन करा.
चालाथेरी और मार में हुए अन्धवन की चर्चा को विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** प्रश्नांची उत्तरे लिहा. **16**
निम्नलिखित **कोई भी दो** सवालों के जवाब लिखिए।

अ) वड्ढमाताथेरी आणि वड्ढ यांच्यातील झालेल्या संवादाचे सविस्तर वर्णन करा.
वड्ढमाताथेरी और वड्ढ के बीच हुएँ चर्चा का विस्तार से वर्णन कीजिए।

ब) किसागोतमी थेरीगाथाचा सार लिहून बोध स्पष्ट करा.
किसागोतमी थेरीगाथा का सार लिखकर बोध स्पष्ट कीजिए।

क) उप्पलवण्णा थेरीगाथाच्या आधारे कामवासनेच्या दुष्परिणामांना स्पष्ट करा.
उप्पलवण्णाथेरीगाथा के आधार पर कामविलास के दुष्परिणामों को स्पष्ट कीजिए।

4. खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** प्रश्नांची उत्तरे लिहा. **16**
निम्नलिखित **कोई भी दो** सवालों के जवाब लिखिए।

अ) अम्बपालीथेरीगाथा चा सार लिहून बोध स्पष्ट करा.
अम्बपालीथेरीगाथा का सार लिखकर बोध स्पष्ट कीजिए।

ब) रोहिणीथेरीगाथा चा सार लिहून बोध स्पष्ट करा.
रोहिणीथेरीगाथा का सार लिखकर बोध स्पष्ट कीजिए।

क) चापाथेरीगाथाचा सार लिहून बोध स्पष्ट करा.
चापाथेरीगाथा का सार लिखकर बोध स्पष्ट कीजिए।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही तीन.** **12**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी तीन।**

1) विजयाथेरीगाथा 2) सिसूपचालाथेरीगाथा

3) पुण्णाथेरीगाथा 4) सुन्दरीथेरीगाथा

ब) रिकाम्या जागा भरा. **4**
रिक्त स्थान की पूर्ती कीजिए।

1) सुजाता ने ------- मध्ये भगवान बुध्दांचे दर्शन घेतले.
सुजाता ने ------- में भगवान बुद्ध के दर्शन लिए।
अ) अंजन वन ब) उरूवेला
क) पावा ड) कपिलवस्तु

2) सीसूपचालाच्या थोरल्या बंधूचे नाव ------- होते.
सीसूपचाला के बड़े भाई का नाम ------ था।
अ) आनन्द ब) धम्मसेनापति सारिपुत्त
क) उपालि ड) सुमित

3) पुण्णाथेरी -------- काम करायची.
पुण्णाथेरी -------- काम करती थी।
अ) स्वयंपाक बनविणे. / खाना बनाना।
ब) शेतीची कामे. / खेति का काम।
क) पाणी भरणे./पाणी भरने का।
ड) कपडे धुणे / कपड़े धोने का।

4) रोहिणीचा जन्म ------- कुळात झाला होता.
रोहिणी का जन्म ------ कुल में हुआ था।
अ) श्रेष्ठी ब) वाणिजो
क) शाक्य ड) ब्राम्हण

****